News Letter

बैसवारा चिन्तन

बैसवारा पी०जी० कालेज, लालगंज, रायबरेली

संपादक, डॉ . रमेश चंद्र यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र

बैसवारा चिन्तन १९ नवम्बर, २०२२

बैसवारा डिग्री कॉलेज में एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित

व्याख्यान में प्रतिभाग करते हुए महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएँ

व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता डॉ. श्याम नारायण वर्मा ने कहा की प्रकृति के पास मानव जरूरतों की पूर्ति की ताकत तो है, लेकिन मानव लोभ की पूर्ति की नही।

व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि डॉ. अमर पाल सिंह ने कहा समाजशास्त्र घर बनाने की प्रेरणा देता है न कि मकान।

समाजशास्त्र विभाग की ओर से एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजित किया गया। उक्त व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. श्याम नारयण वर्मा ने कहा की प्रकृति के पास मानव जरूरतों की पूर्ति की ताकत तो है, लेकिन मानव लोभ की पूर्ति की नही। इसलिए हमें प्रकृति के दोहन से बचना चाहिए और सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही व्याख्यान के मुख्य अतिथि ने कहा कि समाजशास्त्र घर बनाने की प्रेरणा देता है न कि मकान। इस विषय में अपार संभावनाएं रोजगार की व्याप्त है जिसके द्वारा छात्र-छात्राओं को समाजशास्त्र पढ़ कर रोजगार के अवसर मिलें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह, प्राचार्य द्वारा डिग्री कॉलेज ने कि। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रमेश चंद्र यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र द्वारा किया गया। अतिथियों का औपचारिक धन्यवाद डॉ. संजीव कुमार मिश्र असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान ने किया।

संचालन करते हुए कार्यक्रम संयोजक
डॉ० रमेश चन्द्र यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर,
समाजशास्त्र बैसवारा डिग्री कॉलेज लालगंज,

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए
प्राचार्य डॉ० शैलेंद्र कुमार सिंह, बैसवारा
डिग्री कॉलेज, लालगंज, रायबरेली

पर्यावरण के पास मूलभूत जरूरतों की पूर्ति की ताकत तो है, मानव लोभ की नहीं: डा0 श्याम नारायण वर्मा

बैसवारा डिग्री कालेज में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। बैसवारा डिग्री कालेज में समाजशास्त्र विभाग की ओर से एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता डा0 श्याम नारायण वर्मा ने कहा की प्रकृति के पास मानव जरूरतों की पूर्ति की ताकत तो है, लेकिन मानव लोभ की पूर्ति की नहीं। इसलिए हमें प्रकृति के दोहन से बचना चाहिए। डा0 वर्मा ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व एसोसिएट प्रोफेसर विश्वविद्यालय लखनऊ रामस्वरूप ने कहा कि समाज शास्त्र घर बनाने की प्रेरणा देता है न कि मकान। इस विषय में अपार संभावनाएं रोजगार की व्याप्त हैं। जिसके द्वारा छात्र-छात्राओं को समाज शास्त्र पढ़कर रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। डॉ सिंह ने आगे कहा कि समाजशास्त्र विषय क्षेत्र अत्यधिक विस्तृत है।

जिससे परंपरागत रोजगार और मल्टीनेशनल कंपनी में रोजगार के ढेरों सारे अवसर उपलब्ध हैं। अध्यक्षीय सम्बोधन में प्राचार्य डा0 शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय में इस प्रकार की उत्कृष्ट व्याख्यान से छात्र-छात्राओं का ज्ञान वर्धन होता है। डा0 सिंह ने ऐसे बौद्धिक कार्यक्रमों को महाविद्यालय में अधिक संख्या में आयोजित कराए जाने की बात कही। अन्त में असिस्टेंट प्रोफेसर डा0 संजीव कुमार मिश्र ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथियों का स्वागत, कार्यक्रम के संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर डा0 रमेश चंद्र यादव ने किया। इस एक दिवसीय व्याख्यान में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर सहभागिता की।

सुल्तानपुर–रायबरेली–अमेठी

समाजशास्त्र में हैं रोजगार की अपार संभावनाएं-डॉ श्याम नारायण

लालगंज-रायबरेली,20नवंबर। बैसवारा डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग के तत्वाधान में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ श्याम नारायण ने कहा की प्रकृति के पास मानव आवश्यकताओं की पूर्ति की ताकत तो है लेकिन मानव लोभ की पूर्ति कि नहीं । इसलिए हमें प्रकृति के दोहन से बचना चाहिए तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं एसोसिएट प्रोफेसर, रामस्वरूप विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा की समाजशास्त्र घर बनाने की प्रेरणा देता है ना कि मकान। इस विषय में अपार संभावनाएं रोजगार की व्याप्त है जिसके द्वारा छात्र-छात्राओं को समाजशास्त्र पढ़कर रोजगार के अवसर मिल सकते हैं । डॉ सिंह ने आगे कहा का समाजशास्त्र विषय क्षेत्र अत्यधिक विस्तृत है जिससे परंपरागत रोजगार और मल्टीनेशनल कंपनी में रोजगार के ढेरों सारे अवसर उपलब्ध हैं। इस एक दिवसीय व्याख्यान की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने की ।प्राचार्य जी ने कहा कि महाविद्यालय में इस प्रकार की उत्कृष्ट व्याख्यान उसे छात्र-छात्राओं से ज्ञान वर्धन होता है। और ऐसे बौद्धिक कार्यक्रमों को महाविद्यालय में अधिक संख्या में आयोजित कराए जाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथियों का वार्षिक स्वागत, कार्यक्रम के संयोजक ,डॉ रमेश चंद्र यादव असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र ने किया तथा कार्यक्रम का औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर संजीव कुमार मिश्र असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान ने किया। इस एकदिवसीय व्याख्यान में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।